

भारत सरकार  
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय  
भारी उद्योग विभाग  
राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 4346  
जिसका उत्तर बृहस्पतिवार 5 अप्रैल, 2018 को दिया जाना है

**पूँजीगत माल के संबंध में राष्ट्रीय नीति**

**4346. श्री डी कुपेन्द्र रेड्डी:**

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने पूँजीगत माल के संबंध में राष्ट्रीय नीति आरंभ की है; और  
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके अंतर्गत कर्नाटक सहित राज्य-वार क्या उपलब्धियां रही हैं?

**उत्तर**

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री  
(श्री बाबुल सुप्रियो)**

**(क) और (ख):** सरकार ने वर्ष 2016 में नेशनल केपिटल गुड्स पॉलिसी आरंभ की। यह नीति इस विचार से तैयार की गई है कि कोई विनिर्माण कार्यकलापों में केपिटल गुड्स के योगदान के भाग को वर्ष 2025 तक 12% से बढ़ाकर 20% किया जाए। इस नीति का उद्देश्य केपिटल गुड्स का उत्पादन और निर्यात स्तर में महत्वपूर्ण वृद्धि करते हुए भारत को विश्व के शीर्ष केपिटल गुड्स उत्पादनकारी राष्ट्रों में से एक राष्ट्र बनाना है। इस नीति में भारतीय केपिटल गुड्स की प्रौद्योगिकी गहनता में सुधार लाते हुए इसको उन्नत स्तर तक पहुँचाने की भी परिकल्पना की गई है।

नीति का ब्यौरा भारी उद्योग विभाग की वेबसाइट dhi.nic.in पर उपलब्ध है।

कर्नाटक सहित भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि करने के लिए स्कीम के तहत राज्य-वार अनुमोदित परियोजनाओं की सूची नीचे दी गई है:-

**दिल्ली**

1. टेक्सटाइल मशीनरी के लिए आईआईटी दिल्ली में उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)।
2. उद्योग 4.0 के लिए सीईएफसी हेतु मैसर्स ऑटोमेशन ऐसोशिएसन ऑफ इंडिया आईआईटी दिल्ली का सार्वजनिक इंजीनियरिंग सुविधा केन्द्र (सीईएफसी)।
3. हैवी इयूटी उच्च विश्वसनीय इलेक्ट्रिकल विशिष्ट पावर केबलों के निर्माण पर एलाईड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली द्वारा प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी)।
4. स्वदेशी रूप से निर्मित टंगस्टन कार्बाइड पाउडर के उपयोग से हाइड्रो टरबाइनों के लिए कटिंग एज रोबोटिक लेजर कलेडिंग टेक्नोलोजी पर इंडस्ट्रियल प्रोसेस्स एंड मेटेलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली द्वारा टीएएफपी।

**गुजरात:**

5. साइंस इंजीनियरिंग टेक्नोलोजिकल अपलिफ्टमेंट (एसईटीयू) फाउंडेशन द्वारा बरदौली, सूरत में सार्वजनिक इंजीनियरिंग सुविधा केन्द्र (सीईएफसी)।

**हरियाणा:**

6. मैसर्स कोरस इंजीनियरिंग सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बहादुरगढ़ द्वारा स्किल डब्लपमेंट ऑफ डिजाइन इंजीनियर्स के लिए सार्वजनिक इंजीनियरिंग सुविधा केन्द्र (सीईएफसी)।

**झारखंड:**

7. आईएसएम धनवाद की संस्थागत सहायता के साथ एचईसी द्वारा हाइड्रोलिक एक्सकावेटर के विनिर्माण हेतु एचईसी, रांची में सीओई।

8. सीईएफसी प्रथम फाउंडेशन द्वारा एचईसी, रांची में सीईएफसी।

**कर्नाटक:**

9. 450 आरपीएम के शटल रहित रेपियर्स के विकास हेतु टीएमएमए द्वारा सीएमटीआई, बेंगलूर में उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)।
10. श्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजीज के डिजाइन विकास के लिए विप्रो श्री डी के साथ आईआईएससी, बेंगलूर से सीओई का प्रस्ताव।
11. कौशल विकास के लिए एचएमटी एमटीएल, बेंगलूर में सार्वजनिक इंजीनियरिंग सुविधा केन्द्र (सीईएफसी)।
12. सीईएफसी उद्योग 4.0 के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर का सीईएफसी।
13. उद्योग 4.0 के लिए सीएमटीआई वेंगलूर का सीईएफसी।
14. सीएमटीआई वेंगलूर द्वारा प्रिसिसन मेट्रोलॉजी लेबोरेट्री के आधुनिकीकरण हेतु सीईएफसी।
15. एनएमटीसी परियोजना के लिए ₹6.6 करोड़ और एसटीडीएफ परियोजना के लिए ₹45.05 करोड़ की लंबित निधि की आवश्यकता के अतिरिक्त सीएमटीआई की सेसर टेक्नोलॉजी फसेलिटी (एसटीडीएफ) परियोजना के लिए ₹7.75 करोड़ और सीएमटीआई, बेंगलूर की नैनो मैनुफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी सेंटर (एनएमटीसी) परियोजना के लिए ₹18.46 करोड़ की लागत वृद्धि।
16. कर्नाटक सरकार द्वारा तुम्कुर, कर्नाटक के निकट इंटीग्रेटेड मशीन टूल्स पार्क में एकीकृत उद्योगिक अवसंरचनात्मक सुविधा (आईआईआईएफ)।
17. फोर गाइडवे सीएनसी लेथ, बेंगलूर के विकास पर एचएमटी एमटीएल द्वारा प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी)।
18. वाई एक्सिस एसबी सीएनसी 30 टीएमवाई और मैन स्पिंडल पर इंटीग्रेड हाई प्रिसिसन सी एक्सिस के साथ टर्न मिल सेंटर, बेंगलूर के विकास पर एचएमटी एमटीएल द्वारा टीएएफपी।

**महाराष्ट्र**

19. टीएजीएमए द्वारा टूल्स एंड डाइज इंडस्ट्रीज के लिए पुणे के निकट चाकन में सार्वजनिक इंजीनियरिंग सुविधा केन्द्र (सीईएफसी)।
20. मैसर्स एसएलके सीएसआर फाउंडेशन, समूह और अन्य, पुणे द्वारा उद्योग 4.0 पर सीईएफसी।

**तमिलनाडु:**

21. मशीन टूल्स एंड प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी के लिए 11 उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु आईआईटी, मद्रास में उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)।
22. तीन बिल्डिंग प्रौद्योगिकियों के लिए पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर में सीओई।
23. औद्योगिक और जल आपूर्ति अनुप्रयोगों हेतु स्मार्ट सबमर्सिबल (6इंच) पंपिंग समाधानों पर एसआईटीएआरसी द्वारा कोयम्बटूर में सीओई।

**उत्तर प्रदेश:**

24. सिरामिक शैलिंग टेक्नोलॉजी के साथ टिटानियम कास्टिंग के विकास और वाणिज्यिकीकरण पर पीटीसी इंडस्ट्रिज लिमिटेड, लखनऊ द्वारा टीएएफपी।
25. उन्नत विनिर्माण के लिए आईआईटी खड़गपुर में उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)।

\*\*\*\*\*